नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305

इ-मेल: mgahvpro@gmail.com वेबसाइट : www.hindivishwa.org

राष्ट्रव्यापी स्तर पर मनाई जाएगी 'बा-बापू' की 150वीं जयंती

- **'बा-बापू' की 150वीं जयंती की तैयारी की कार्यशाला दिल्ली में हुई संपन्न।**
- **आगामी 26 से 28 अप्रैल को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विवि में कार्यक्रम को अंतिम प्रारूप देने के लिए होगी राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला**

वर्धा, 22 मार्च 2018: बा-बापू की 150 वीं जयंती को मनाए जाने पर विचार करने हेतु गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, राजघाट, नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर 12 से 14 मार्च 2018 को देश के 11 राज्यों से आए शिक्षाविदों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने बताया कि वर्ष 2019 में महात्मा गांधी और कस्तूरबा गांधी की जयंती के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इन दोनों महान आत्माओं का जन्म आज से 150 वर्ष पूर्व गुजरात के काठियावाड़ जिले के पोरबंदर नामक गाँव में हुआ था। दोनों का वर्धा से गहरा रिश्ता रहा है। वर्धा का सेवाग्राम आश्रम आज भी उनकी स्मृति का केंद्र है। उन्होंने कहा कि बा-बापू का भारत की आजादी में अद्वितीय योगदान रहा है। उनकी विरासत को 150 वीं जयंती पर पूरे देश को नए सिरे से याद करने और उससे प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि बा-बापू की राष्ट्रीय स्तर पर मनाए जाने हेतु गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के तत्वावधान में पिछले दिनों नई दिल्ली में बैठक कर इसकी विस्तृत रूपरेखा तय की गई है। उन्होंने बताया कि बैठक में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक दीपांकर श्रीज्ञान,पीसफुल सोसाइटी, गोवा के कुमार कलानन्द मणि,महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार,गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी,बसंत भाई,राजस्थान से आए पूर्व कुलपति प्रो. सोहन राज तातेड़,उत्तराखंड से आए प्रो. हिमांशु बौड़ाई, प्रो. बी. एल.साह, प्रो. आर. के गुप्ता,गुजरात से प्रो. पुष्पा मोतियानी,मध्यप्रदेश सेप्रो. आर. एस. मेहरा, मुंबई से डॉ. श्यामसुन्दर पाण्डेय,बिहार से डॉ. अमित रंजन सिंह एवं हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्राध्यापक तथा शोधार्थी डॉ. राकेश मिश्र, डॉ. सुप्रिया पाठक, डॉ. मिथिलेश कुमार, डॉ. मुकेश कुमार, निलामे गजानन, जोगदंड शिवाजी,कमल शर्मा,त्रिपुरा के विष्णु दास,दिल्ली से विश्वास गौतम,गांधी फ़ेलो कनक, डॉ. अकांक्षा,कुणाल दीप(कनाडा) आदि उपस्थित थे।

बैठक में अप्रैल 2018 से 2 अक्तूबर 2019 तक दीर्घकालिक और अल्पकालिक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर बा-बापू के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से लोगों को जोड़ने हेतु ढेर सारे कार्यक्रम तय किए गए। देश की नई पीढ़ी तक बा-बापू के विचारों को ले जाने की योजना हेतु दीर्घकालिक व अल्पकालिक योजना बनी। इसके साथ ही गांधी-कस्तूरबा से जुड़ी हुई स्मृतियों, स्थलों की मौजूदा स्थिति

के दस्तावेजीकरण की भी रूपरेखा तय की गई। बा-बापू से संबन्धित संस्थाओं बिखरे हुए साहित्य को संकलित किए जाने तथा उसके दस्तावेजीकरण की भी योजना बनाई गई ताकि इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जा सके। 150 वीं जयंती पर रचनात्मक कार्य करने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं को बा-बापू सम्मान, महिला आदिवासी और दलित समूह के बीच कार्यक्रम चलाने एवं जिन देशों से गांधी का किसी न किसी रूप में संबंध रहा है उन देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम करने का निर्णय लिया गया है। अप्रैल 2018 से अक्तूबर 2019 तक की कार्यनीति तैयार की गयी है, जिसे 26 से 28 अप्रैल 2018 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की बैठक में अंतिम रूप दिया जाएगा।